

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 126] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 22, 1970/आषाढ़, 31 1892  
No. 126] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 22, 1970/ASADHA 31, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

LOK SABHA

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd July, 1970

No. 46/CI/70.—The following paragraph published in the Lok Sabha Bulletin—Part II, dated the 16th July, 1970, is hereby published for general information:—

"No. 1758

**Direction by the Speaker under the Rules of procedure of Lok Sabha**

In pursuance of Rule 389 of the Rules of procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Fifth Edition), the Speaker has issued the following direction:—

**“(ccce) Personal explanation by member**

115C. *Personal explanation.*—No member shall be permitted to make a statement by way of personal explanation under rule 357 unless a copy thereof has been submitted in writing by the member to the Speaker sufficiently in advance and the Speaker has approved it. Words, phrases and expressions which are not in the statement approved by the Speaker, if spoken, shall not form part of the proceedings of the House.

[To be inserted after direction 115B of the Directions by the Speaker under the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Second Edition)]”.

S. L. SHAKDHER,  
Secretary.

लोक-सभा

अभिसन्धान

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1970

संख्या-46/सी० आई०/70- दिनांक 16 जुलाई, 1970 के लोक-सभा समाचार-भाग 2 में प्रकाशित निम्नलिखित पैरा सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है :—

“संख्या 1758

लोक सभा के प्रक्रिया नियमों के अधीन अध्यक्ष द्वारा दिया गया निदेश

लोक-सभा के प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन सम्बन्धी नियमों (पांचवां संस्करण) के नियम 389 के अनुसरण में अध्यक्ष ने निम्नलिखित निदेश दिया है :—

‘(गगगग) सदस्य द्वारा वैयक्तिक स्पष्टीकरण

115ग वैयक्तिक स्पष्टीकरण—किसी सदस्य को नियम 357 के अन्तर्गत तब तक वैयक्तिक स्पष्टीकरण करने की अनुमति नहीं दी जायेगी जब तक कि सदस्य द्वारा लिखित रूप में उसकी एक प्रति काफी समय पूर्व अध्यक्ष को प्रस्तुत न की गई हो और अध्यक्ष ने उसका अनुमोदन न कर दिया हो। यदि ऐसे शब्दों, वाक्यांशों और पदावलियों का प्रयोग किया जाता है जो अध्यक्ष द्वारा अनमोदित वक्तव्य में शामिल न हों, तो वे सभा के कार्यवाही-वृत्तान्त का अंग नहीं बनेंगे।’

[लोक-सभा के प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन सम्बन्धी नियमों (दूसरा संस्करण) के अन्तर्गत अध्यक्ष द्वारा दिये गये निदेशों के निदेश 115 ख के पश्चात् अन्तःस्थापित किया जायेगा।]”

श्यामलाल शकधर, सचिव ।